शिक्षा जो सिखाए

चिंतन, विश्लेषण और प्रश्न पूछना

केटलिन फेन्नरटी

अंजुम मुफ्ती

न किताबें, न लेक्चर! मेरीलैंड में एन्नापॉलिस का सेंट जॉन्स कॉलेज अपने ''महान पुस्तकें'' पाठ्यक्रम के माध्यम से लिबरल आर्ट्स शिक्षा के असली स्वरूप से रूबरू करा देता है।

सेंट जॉन्स कॉलेज के परिसर की सघन हरियाली की ओर नज़र दौड़ाते मेरे मन में अरस्तू के शब्द गूंज रहे हैं: ''मनुष्य वह है जो वह निरन्तर करता है, तब सदाचार एक कृत्य नहीं आदत है।'' मेरी गोद में अरस्तू की निकॉमैकीयन एथिक्स की प्रति खुली है, मेरी उंगली इस पंक्ति पर जैसे जड़ी सी है। मैं इस विचार की मुखरता से स्तब्ध हूं, इसने मुझे कहीं गहरे छुआ है। मैं जानती हूं ये शब्द अगले कई बरसों तक मेरे मानस में गूंजेंगे। अगर हम वही हैं जो हम निरन्तर करते हैं तो मुझे अपने जॉनी (जी, सेंट जॉन्स कॉलेज के हम पूर्व छात्र खुद को यही कहते हैं!) होने पर बहुत गर्व है। इस मनोरम समुद्रतटीय परिसर में महान चिन्तकों और लेखकों के विचार मेरे दिल और दिमाग के ओने-कोने में प्रकाशित हो रहे हैं। अपने सहपाठियों और अध्यापकों के साथ इन पर गम्भीर चर्चा करते हुए मुझे बार-बार अपने अब तक अनजांचे रहे दुराग्रहों और पूर्वाग्रहों से जूझना पड़ता है। हर रोज़ मैं अपने मन को कुछ अधिक मुक्त, अपने हृदय को कुछ अधिक कोमल और अपनी आत्मा को कुछ अधिक परिपूरित पाती हूं।

वर्ष 1696 में स्थापित सेंट जॉन्स कॉलेज समुद्रतट पर बसे एन्नापॉलिस के बीचोंबीच स्थित एक छोटा सा कॉलेज है जो चार वर्ष की अवधि के लिबरल आर्ट्स पाठ्यक्रम चलाता है। एन्नापॉलिस मे ही यू.एस. नेवल एकेडमी भी है। यह शहर मेरीलैंड राज्य की राजधानी है। सेंट जॉन के एन्नापॉलिस परिसर (दक्षिण-पश्चिमी राज्य न्यू मेक्सिको के सांता फे कस्बे में इसका एक और परिसर है) में वैसे तो कुल 500 ही छात्र हैं हालांकि यहां भौगोलिक रूप से विविध इलाकों से लोग यहां आते हैं। पार्किंग क्षेत्र में उत्तरी अमेरिका के सभी इलाकों की लाइसेंस प्लेट नज़र आती हैं, अलास्का से टेनेसी तक, जो सेंट जॉन्स के विशिष्ट ''महान पुस्तकें'' पाठ्यक्रम के प्रति विविध समूहों के आकर्षण का संकेतक है।

इस पाठ्यक्रम में पश्चिमी सभ्यता और चिंतन को प्रभावित करने वाली साहित्य, दर्शन, धर्मशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, गणित, प्रयोगशाला विज्ञान और संगीत जैसे विविध क्षेत्रों की कालजयी कृतियों का अध्ययन होता है। कृतियों का अध्ययन लगभग रचनाकाल के क्रम में किया जाता है- प्राचीन यूनान के दार्शनिकों, नाटककारों, इतिहासकारों और गणितज्ञों से शुरुआत करके 20वीं सदी के रचनाकारों तक। अध्ययन पूरी तरह चर्चा पर आधारित होता है, किताबों या लेक्चरों का यहां कोई काम नहीं। सांता फे स्थित सेंट जॉन्स कॉलेज परिसर में भी एक ऐसा ही पाठ्यक्रम चलता है लेकिन वह पूर्व की परम्परा और विचार पर केंद्रित है -विशेषत: चीन, भारत और जापान के। विद्यार्थी संस्कृत सीखते हैं ताकि रामायण जैसे कालजयी ग्रंथों से चुनिंदा अंश अनुवाद कर पाएं।

साभार: सेंट जॉन्स कॉलेज

सेंट जॉन्स कॉलेज लिबरल आर्ट्स का वास्तविक अनुभव है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की महानतम कृतियों से परिचित कराकर उन्हें जीवनभर के लिए विवेकपूर्ण चिन्तन की प्रक्रिया के लिए तैयार करना है। कॉलेज के अनुसार ''मानस की ये आदतें हैं- चिन्तनशील मनन की गहरी क्षमता, गम्भीर चर्चा का स्थायी स्वभाव और गहन पड़ताल के प्रति हमेशा प्रेम।'' आमतौर पर लिबरल आर्ट्स कॉलेजों में पढ़ने में ऐसे छात्रों की रुचि होती है जो ऐसे अंतरंग वातावरण में अध्ययन के इच्छुक होते हैं जहां छात्रों और अध्यापकों, और खुद छात्रों के बीच सघन संवाद से गम्भीर विमर्श का एक समुदाय तैयार होता है। इस अपेक्षा पर सेंट जॉन्स कॉलेज एकदम खरा उतरता है। कक्षाओं में सीमित छात्र संख्या और हर छात्र पर ध्यान दिए जाने पर जोर (हर आठ छात्रों पर एक अध्यापक) कॉलेज के बौद्धिक वातावरण का आधार हैं। शास्त्रीय परम्परा में लिबरल आर्ट्स का अर्थ था एक स्वतंत्रचेता व्यक्तित्व बनने के लिए समुचित शिक्षा (लैटिन में लिबरा का अर्थ ही स्वतंत्र है) इसी दर्शन को व्यवहार रूप में बदलते हुए सेंट जॉन्स कॉलेज का आदर्श वाक्य है, ''फेशियो लिबेरॉस एक्स लिबेरिस लिब्रिस लिब्रेक 'यानी' मैं पुस्तकों और संतुलन के ज़रिये बच्चों से वयस्क गढ़ता हूं।''

सेंट जॉन्स में अध्ययन के पहले बरस में मेरे मन में एक अविश्वसनीय रूप से मुक्तिकारी विचार जड़ पकड़ चुका है- ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे मैं सीख न सकूं और इसलिए जीवन में कोई राह ऐसी नहीं जिस पर चलने को मैं स्वतंत्र नहीं हूं। अपनी शिक्षा के शुरुआती चरण में मैं इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि मेरी अभिरुचि न विज्ञान में है, न गणित में। हाईस्कूल में मैंने गणित के आसान पाठ्यक्रम चुने और यह मानते हुए कि भौतिकी मेरे दिमाग में नहीं पैठ सकती, सीनियर वर्ष में पर्यावरण विज्ञान पढ़ा। अगर मैं किसी ऐसे कॉलेज में गई होती जहां गणित का अध्ययन ज़रूरी न होता तो मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी खुद को गणित और विज्ञान पढ़ने को प्रेरित किया होता। लेकिन सेंट जॉन्स कॉलेज के एकीकृत, सभी विषयों को अनिवार्य रूप से पढ़ाने वाले पाठ्यक्रम के कारण मैं जान सकी हूं कि ये क्षेत्र मेरी बौद्धिक क्षमता से परे नहीं हैं। मैं जिस सहजता से प्लेटो के संवाद पर चर्चा करती हूं, उसी सहजता से यूक्लिड और टॉलेमी के रेखागणितीय प्रमेयों और रक्त के परिभ्रमण के विलियम हार्वे द्वारा शोध पर भी चर्चा करती हूं। अपनी बौद्धिक क्षमताओं में आत्मविश्वास से मैंने अपनी बौद्धिक स्वतंत्रता के क्षितिज को व्यापक किया है। आज मैं चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययन करने की सोच रही हूं जो पहले मेरे लिए अकल्पनीय था। इस के साथ ही दर्शन, कविता और धर्मशास्त्र के प्रति भी मेरा प्रेम बढ़ा है।

सेंट जॉन्स कॉलेज में पाई शिक्षा एक ऐसा अनुभव है जो जीवनभर मेरे साथ रहेगा। यहां पाई शिक्षा किताबी या सूत्रबद्ध नहीं है, यहां मैंने सोचना, विश्लेषण करना और प्रश्न पूछना सीखा है और प्रतिक्रियाएं मेरे मानस का अभिन्न अंग बन गई हैं। मैं एक जॉनी हूं- मैं चर्चा करती हूं, जिज्ञासा करती हूं, विचार करती हूं, और सब से बढ़कर अपनी बौद्धिक क्षमता पर विश्वास करती हूं। और इस सब से मैं क्या बनूंगी? शायद, जो भी मैं चाहूं!

__केटलिन फेन्नरटी__ ने यह लेख नई दिल्ली स्थित अमेरिकन सेंटर में पब्लिक अफ़ेयर्स इंटर्न के तौर पर काम करते लिखा।